भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

बैंगलुरू; 30 अगस्त 2017

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सीएजी कार्यालय को डिजिटल युग में लेखापरीक्षा में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना

श्री शशि कान्त शर्मा द्वारा राजस्व डिजिटल लेखापरीक्षा उत्कृष्ठ केन्द्र काउद्घाटन (सीईडीएआर)।

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक (सीएजी) का राजस्व डिजिटल लेखापरीक्षा उत्कृष्ठ केन्द्र राजस्व लेखापरीक्षा के क्षेत्र में विभाग को डिजिटल युग में ले जाने के लिए प्रमुख भूमिका निभाने जा रहा है। इस केन्द्र का उद्घाटन करते हुए श्री शशि कान्त शर्मा, भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक द्वारा यह कहा गया।

श्री शशि कान्त शर्मा जी की यह पहल, भारत के सीएजी को अतंरराष्ट्रीय समुदाय में सरकारी लेखापरीक्षा क्षेत्र में आदि से अत: तक डिजिटल लेखापरीक्षण को अग्रणियों के मध्य में रखती है।

सीईडीएआर को विभिन्न डाटाबेस का विश्लेषण करने और विकास के प्रमाणिक नमूने को क्रोसलिंक करने के लिए तथा नई कार्य-प्रणाली को विकसित करने के साथ-साथ विभिन्न डाटाबेसों को रखने के लिए डाटा का केन्द्रीय संग्रह बनाने के उदेश्य के लिए स्थापित किया गया है। इसका उदेश्य डिजिटल परिवेश में राजस्व लेखापरीक्षा में विशेषज्ञता विकसित करना भी है।केन्द्र, राजस्व निर्धारण और संग्रहण के तेजी से बदलते परिदृश्य में राजस्व लेखापरीक्षा के उभरते क्षेत्रों में जानकारी को बांटने, कौशल विकास और अनुसंधान के लिए सामूहिक मंच उपलब्ध करवायेगा।

प्रथम चरण में, आगामी आठ महिनों में,सीईडीएआर संघ के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों के डाटा से संबंधित सभी राजस्व का संग्रहण, मिलाने और विश्लेषण करने के लिए एक डाटा वेयरहाऊस स्थापित करेगा। इस चरण में, केन्द्र राजस्व लेखापरीक्षा पर विधान मण्डल(लों) में डिजिटल लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों को रखने और ऑनलाईन स्वयं-निर्धारण टूल्स के लिए मूल प्रारूप और प्रोद्योगिकी विकसित करेगा।

उद्घाटन समारोह के एक भाग रूप में, सीएजी ने जीएसटी पर लेखों का ई-डाईजेस्ट जारी किया। सीएजी का केन्द्रीय राजस्व लेखापरीक्षा स्कंघ, जीएसटी पर ऑन-लाईन स्वयं-निर्धारण टूल और लेखापरीक्षा योजना के लिए सीमा-शुल्क से संबंधित डाटा की डिजिटल लेखापरीक्षा रिपोर्टों के मूल प्रारूपों को प्रदर्शित करता है। यह राजस्व के डिजिटल लेखापरीक्षण में प्रवेशक के लिए विभाग के उदेश्य और क्षमता को प्रदर्शित करता है जो अंततः लेखापरीक्षा के संचालन में दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ाने का नेतृत्व करेगा।